अग्रवाल महाविद्यालय में सूचना व संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

नई शिक्षा नीति 2020 में रचनात्मक व और नवाचार के पक्ष पर चर्चा

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने विचारों से अगवत कराते हुए प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता।

आज समाज नेटवर्क

बल्लभगढ़। कोविड-19 के दौरान सूचना व संचार प्रौद्योगिकी की मुख्य भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के कंप्यूटर साइंस विभाग एवं लर्निंग रिसोर्स सेंटर के अंतर्गत 29-30 जनवरी 2022 किया गया। यह सम्मेलन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन व रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा प्रायोजित और अनुमोदित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ दीपशिखा प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना और महाविद्यालय गीत के साथ हुआ। तदुपरांत अतिथि गण को पौधा भेंटकर औपचारिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार रहें। कार्यक्रम के संयोजक पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र ने सभी का स्वागत किया। सह संयोजक डॉ. गीता गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तक 'रोल ऑफ आईसीटी ड्यूरिंग कोविड-19' एंड 'मार्केटिंग ऑफ इंफॉर्मेशन प्रोडक्ट्स सर्विसेज' का विमोचन किया गया। बीज वक्ता प्रोफेसर डॉ. नसीब सिंह गिल (महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक) ने अपने वक्तव्य में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मुख्य बिंदु पर प्रकाश डाला साथ ही डिजिटल इंडिया, स्मार्ट इंडिया इत्यादि में भारत सरकार का अहम योगदान सांझा किया और साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 में रचनात्मक व और नवाचार के पक्ष पर चर्चा की। विशिष्ट अतिथि डॉ केपी सिंह, डीटी रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ, नई दिल्ली ने इस महामारी कोविड-19 के दौरान ई-लर्निंग, ई-संसाधनों और ई-लाइब्रेरी की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। महाविद्यालय संरक्षक व संगोष्ठी अध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने समझाया कि डिजिटल आईसीटी अनुसंधान, चिकित्सा और शिक्षण सीखने की प्रक्रिया आदि जैसे सभी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आयोजक सचिव डॉ सचिन गर्ग ने सभी का धन्यवाद किया। उद्घाटन सत्र में मंच संचालन डॉ सुप्रिया ढाडा ने किया। सत्र के अंत में अतिथि जनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रथम चरण डिजिटल माध्यम से डॉ. मनोज शुक्ला अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ की अध्यक्षता में क्रियान्वित हुआ। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर मोहम्मद मुजीब उल इस्लाम, ढाका विश्वविद्यालय बांग्लादेश व जॉन कंदिरी, कंप्यूटिंग और सूचना विभाग केन्याटा विश्वविद्यालय, केन्या से उपस्थित रहे।